Dummy issue Vichar prikarama page 1-19.qxd 5/18/2010 8:09 PM Page 3

इस अंक में

वर्ष 3 अंक 1-2 ■ नई दिल्ली, अप्रैल-मई 2010

विचार परिक्रमा

महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित शोध पत्रिका

संपादक
शरद गोयल

सहायक संपादक
ज्योति मिश्रा
शशिकांत

सहयोग
अमित नारायण (मुंबई)

विज्ञापन और मार्केटिंग
भास्कर चौधरी

साज सज्जा
संकल्प सर्विसेज
मो.: 9811891265

संपर्क
ई 1/4 पांडव नगर, पटपड़गंज,
मदर डेयरी के सामने, नई दिल्ली-110092
फोन.: 011-22481201
मो.: 9999336096
ईमेल vichaar.p@gmail.com
WEBSITE - www.vicharparikrama.com

ब्रांच आफिस

मीडिया सर्विसेस प्रा. लि.
आईबीपी पेट्रोल पंप, नाथूपुर
डीएलएफ फेज-3, गुड़गांव, हरियाणा
फोन : 0124-2350851, 2350852
मो.: 9873940115

स्वामी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक
शरद गोयल द्वारा ई 1/4 पांडव नगर,
नई दिल्ली-110092 से प्रकाशित और
आई. ए. प्रिंटर्स, सी-25, न्यू ब्रजपुरी,
खुरेजी, नई दिल्ली-110051 से मुद्रित।

नोट: *पत्रिका में प्रकाशित आलेखों में व्यक्त विचार लेखक के हैं। उनसे संपादकीय सहमति होना अनिवार्य नहीं है। पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा।*

कॉपीराइट : विचार परिक्रमा

विकासशील देशों में खाद्य संकट की जड़ें

पिछले एक दशक के दौरान कृषि क्षेत्र में जबरदस्त मंदी और 'सुधारों' से पैदा हुई और बढ़ती बेरोजगारी दर ने इस समस्या को ज्यादा तीव्र किया है। समूची अर्थव्यवस्था में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न का उत्पादन और उपभोग बहुत तेजी से नीचे गिरा है

उत्सा पटनायक 7

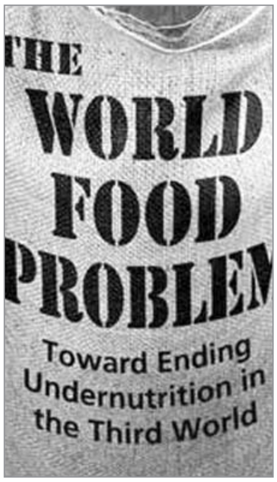

बढ़ती खाद्य असुरक्षा : शक्ति काक/कमल काबरा 14
कृषि पर मंडराता खतरा: एस पी सिंह 18
खाद्य प्रणाली में सुधार: पीटर रोजेट 24
वैश्विक खाद्य संकट: फिलिप मैक्साइकल 29
खेतों में मिलेंगे हल: भवदीप कंग 33
पर्यावरण और खाद्य संकट: एन के सिंह 36
पेट भरने का सवाल: रहीस सिंह 38

खतरे में खेती

दुनिया विदेशी खेतों में निवेश करने की होड़ का गवाह बन रहा है। उर्वर जमीन खरीदी जा रही है और उसे खाद्य संपदा में बदला जा रहा है

देविंदर शर्मा 12